MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Rape and murder of three minor sisters in Bhandara district of Maharashtra

डा. भारतकुमार राऊत (महाराष्ट्र): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मेरी आपसे यह विनती है कि मेरे समय को अब शुरू किया जाए।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Please continue.

डा. भारतकुमार राऊत: सर, आज जब मैं यहाँ पर खड़ा हूं, तो मेरा सिर यह सोच कर शर्म से झुक रहा है कि क्या हम इक्कीसवीं सदी में रह रहे हैं? एक तरफ हम विमेंस एम्पॉवरमेंट की बातें कर रहे हैं, हम स्त्री शक्ति का जागरण कर रहे हैं, हम स्त्री को देवी मान रहे हैं और दूसरी तरफ मैं जिस राज्य से आता हूँ, उस महाराष्ट्र राज्य के विदर्भ इलाके में भंडारा नाम की जगह है, जहाँ से हमारे एक मंत्री महोदय चुन कर आते हैं, वहाँ के एक गाँव में तीन दलित कन्याएँ, जो अल्पयौवन कन्याएँ थीं, उन तीन बहनों के ऊपर शारीरिक अत्याचार किया गया, उनसे बलात्कार किया गया और उसके बाद उनका मर्डर करके उनके शव कुएँ में डाले गए। सर, किसी भी सुसंस्कृत इंसान को इस बारे में शर्म आनी चाहिए।

डा. नजमा ए. हेपतुल्ला (मध्य प्रदेश): सर, इनकी पूरी बात को सुना जाए।

डा. भारतकुमार राऊत: सर, इस पूरे देश के सब माध्यमों में इसकी खबरें चल रही हैं, लेकिन हमारी सरकार की तरफ से इस संबंध में यहाँ पर कोई निवेदन नहीं किया गया। इस पर यह कहा जाएगा कि यह तो राज्य सरकार का मामला है, लेकिन यह राज्य सरकार का मामला नहीं है। महिला कोई राज्य सरकार या केन्द्र सरकार की विषय नहीं होती, बल्कि इस देश का जो निवासी है, उसके बारे में हमें चिन्ता प्रकट करनी चाहिए।

सर, मैं आपको दूसरी बहुत महत्वपूर्ण बात बताता हूँ कि इस घटना को हुए अभी 10 दिन हो गए हैं और सब जगह इसकी चर्चा चल रही है। यह घटना मुम्बई, दिल्ली या कोलकाता जैसे किसी महानगर में नहीं हुई जहाँ करोड़ों लोग रहते हैं, बल्कि यह एक गाँव की, एक देहात की बात है, जहाँ पर हर आदमी दूसरे आदमी को जानता है। इतना कुछ होने के बाद भी इस घटना के जो आरोपी हैं, जिनका नाम सबको पता है, जिनके बारे में सबको पता है, फिर भी उन्हे आज 10 दिनों के बाद भी न तो अरेस्ट किया गया और न ही उनके ऊपर कोई कार्रवाई हो पायी, जो कि शर्म की बात है। ये कौन लोग हैं, जिन्हें आपकी पुलिस इस तरह का संरक्षण दे रही है? मैं यहां पर यह आरोप लगाता हूँ कि पुलिस और राज्य के पक्ष, जो सत्ता में हैं, उनके संरक्षण से ही ये लोग इतने दिनों से लापता रहे हैं। आप किसको छुपा रहे हैं?

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Your time is over.

डा. भारतकुमार राऊत: एक तरफ आप पारदर्शिता की बात करते हैं, दूसरी तरफ इन तीन बहनों के ऊपर इस तरह का जो अत्याचार हुआ है, उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र): सर, मैं इसी विषय पर आगे जाना चाहूंगी और माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि महिलाओं के विषय में कोई राजनीति न की जाए। यह घटना जहां पर घटी, वहां मैं खुद दो दिन पहले जाकर आयी हूं, दोनों फैमिलीज़ से मिल कर आयी हूं और विक्टिम्स की जो मदर हैं, उनसे भी मिल कर आयी हूं। भंडारा डिस्ट्रिक्ट की लखनी तहसील के मुरवदी गांव में 17 फरवरी को जिन तीन नाबालिग लडकियों का अपहरण किया गया, वे स्कूल से ही चली गयीं। उस स्कूल में चार कक्षाएं हैं, लेकिन वहां एक ही शिक्षक है, इसलिए इस संबंध में भी पूछताछ होनी चाहिए। शिक्षक ने छोड़ा कैसे, उसकी भी पूछताछ होनी चाहिए। इस गांव के नजदीक में 16 तारीख को जब उनकी मां ने कम्पलेंट की उसके दूसरे दिन तक भी उनको कुछ पता नहीं चला और फिर उसके दूसरे दिन पता चला कि तीनों लड़कियों के शव कुंआ में पानी में ऊपर आ गए थे, उससे पता चला कि इनको मारने से पहले इनके साथ बलात्कार किया गया था। यह बहुत ही शर्मनाक घटना है। इसके अलावा 16 दिसम्बर को दिल्ली में जो घटना घटी, उससे भी ज्यादा यह शर्मनाक घटना है। इसलिए इसकी त्वरित इंक्वायरी होनी चाहिए। इसके अलावा वहां जो दूसरी घटना हुई है, वह उसी इलाके के दूसरे गांव में घटी है, जहां नाबालिग दलित 13 साल की लड़की के साथ टीचर ने दुर्व्यवहार किया। उसकी भी निन्दा करनी चाहिए। आज 10 दिन होने के बाद भी किसी भी आरोपी को हिरासत में नहीं लिया गया है। हमारी मांग है कि पहले तो आरोपी को हिरासत में लिया जाए, फास्ट ट्रेक कोट्र में कार्यवाही शुरू की जाए। जिस स्कूल में तीनों बहनें थी, उस स्कूल में अगर शिक्षक नहीं है तो उसकी पूछताछ हो जाए और जिस शिक्षक ने बलात्कार करने की कोशिश की है उस शिक्षक को अपनी डयूटी से हटाया जाए। हादसे के बाद इनका पुनर्वसन करने का जो काम है, सर, यह बहुत इंपोर्टेंट मुद्दा है, क्या हम सिर्फ उनको पैसे ही देंगे? प्राइम मिनिस्टर ने 10 लाख रूपए दिए हैं, चीफ मिनिस्टर ने 10 लाख रूपए दिए हैं। सिर्फ पैसे देने से ही काम नहीं होने वाला है। उनको पनः स्थापित करने के लिए हम क्या प्रयास कर रहे हैं? मुझे लगता है कि यह मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है और इस पर हमें ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र): सर, मैं ज्यादा नहीं बोलूंगा। महाराष्ट्र में इस तरह की कई घटनाएं घटी हैं, केवल भंडारा में ही नही नगर डिस्ट्रिक्ट में हुई, सतारा डिस्ट्रिक्ट में हुई और बारामती में हुई है तथा हर जगह ऐसा हो रहा है। इन सारी घटनाओं में दलित महिलाएं ही हैं, इसलिए सरकार को इस बात को भी ध्यान में रखकर तुरन्त कार्यवाही करनी चाहिए। मैं

खरलांजी का उदाहरण दूंगा, जहां पर ठीक ढंग से केस नहीं चला और जिन्होंने इतना heinous क्राइम किया, वे सारे आरोपी छूट गए। यह बहुत ही शर्मनाक बात है। इस पर केन्द्र सरकार को ध्यान देना चाहिए और महाराष्ट्र गवर्नमेंट को इस मामले में ठीक ढंग से कार्यवाही करने के लिए कहना चाहिए। अगर आवश्यक हो तो इस मामले में स0बी0आई0 इंक्वायरी करानी चाहिए। धन्यवाद।

DR. BHALCHANDRA MUNGEKAR (Nominated): Sir, I do not want to repeat what my earlier colleagues have mentioned. But since the culprit has not yet been arrested for the offence of raping the three minor sisters of 11 years, 9 years and 6 years respectively, I do not, at all, have trust in the Police Department of the Government of Maharashtra. I demand an immediate CBI inquiry into it. The Central Government must direct the State Government to act accordingly.

Secondly, I condemn, like the entire nation did, the rape of Nirbhaya, a few days ago. But, Sir, what is surprising is, a few days back the entire middle class in the country thronged the India Gate and the Rashtrapati Bhavan. Where is this middle class now? Are we dividing the insensitivity against rape along the caste line? Thirdly, the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act is not at all being implemented in the right spirit. So far as the National Crime Records Bureau report of the Home Ministry is concerned, it is shameful for the nation that - we are talking of women empowerment-annually, a minimum of 1,000 rape incidents are taking place against the Scheduled Castes and the Scheduled Tribe women. This is disgusting. Therefore, I demand that the Central Government should immediately order a CBI inquiry and give direction to the State Government accordingly. Thank you.

DR. NAJMA A. HEPTULLA: Sir, I just want to say one thing. हमारी महिला मंत्री यहां बैठी है, दिल्ली मे इतना बड़ा कांड हुआ। उन्होंने अभी मेंशन किया कि यहां हजारों की तादाद में लोग आए, पूरा देश हिल गया उस वाकये से। लोगों में इतना आक्रोश था, पूरे वर्ल्ड में इसकी चर्चा हुई। इसके बाद प्रेजीडेंट साहब आर्डिनेंस लेकर आए तथा उन्होंने अपने अभिभाषण में इसके बारे में बात भी की। यहां हमारी महिला मंत्री बैठी हैं। सर, मेरी समझ में नहीं आता कि क्या लोगों के अंदर से डर निकल गया है। लोगों में शर्म तो है ही नहीं। There is no question of sharam; we don't talk about sharam. लोगों में किसी भी आर्डिनेंस का, किसी भी लॉ का डर नहीं है। यहां मंत्री जी, बैठी हैं, आप बताइएगा कि महिलाओं के ऊपर ऐसा हो रहा है। यहां empowerment की बात नहीं करनी है, अभी तो उनके जीने की बात करनी है, उनकी इज्जत की बात करनी है। यहां महिला पैदा होने से पहले ही मार दी

[Dr. Najma A. Heptulla]

जाती है, उसके बाद जब पैदा होती है तो भूखी मर जाती है? और जब बच जाती है, तो रेप कर के उसका मर्डर कर देते हैं। आज हम महिलाओं के लिए 33 परसेंट रिजर्वेशन की बात कर रहे हैं, यह 33 परसेंट कहां होगा जबकि उनके जीवन के लिए भी खतरा है, उनकी इज्जत के लिए भी खतरा है? आज हमारी महिला एवं बाल विकास मंत्री जी इस बारे में बिल ला रही हैं। मंत्री जी, मैं आप से कहूंगी कि आप तो कुछ react करो। ये लोग तो कुछ नहीं कर रहे हैं, आप तो कुछ बोलिए।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Now, Shri Naresh Agrawal, Not present. Shri Tarun Vijay. ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, I do not want to take the time of the House. I would only politely make a request to the hon. Minister of Parliamentary Affairs. He has heard the hon. Member from the ruling party also. It is not a political issue. There is a sensitivity involved in this issue because three girls had been kidnapped, alleged to have been raped and then murdered on 16th February, and no action has been taken. It is a serious issue. I request the Minister of Parliamentary Affairs to bring it to the attention of the hon. Home Minister, and let him make a statement subsequently. Otherwise, it will send a wrong message. I wonder whether he has carefully heard even what Dr. Mungekar said about the reaction in Delhi to the previous incident and, subsequently, no action in the case of Maharashtra because of the caste factor and all that. This will send a wrong message. It is a fact that they were Dalit children. So, keeping in mind the sensitivity involved, I would request the hon. Minister to convey this to the Home Minister and let him make a statement at the earliest.

DR. NAJMA A. HEPTULLA: Sir, the Home Minister is also from Maharashtra.

SHRI RAMA CHANDRA KHUNTIA (Odisha): The Government should take appropriate action on this serious issue. We all support it.

THE MINISTER OF STATE FOR PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI RAJEEV SHUKLA): Sir, Smt. Rajani Patil and other hon. Members have raised a very serious issue, and we are all concerned about it. I will, definitely, convey it to the Home Minister who can, in turn, speak with the State Government and come back to the House with the report.